http://www.mjpruonline.com

Total No. of Questions : 4] [Total No. of Printed Pages : 7

Paper Code : 11108

230

B.A. (Part II) Examination, 2019

(Three-year Degree Course)

(New Course)

HINDI LITERATURE

Paper-II

(हिन्दी कथा साहित्य)

Time : 3 Hours] [Maximum Marks : 50

नोट :– निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. अधोलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : प्रत्येक 4

(क) "हाँ बेटा, बैकुण्ठ जाएगी। किसी को सताया नहीं, किसी को दबाया नहीं। मरते-मरते हमारी जिन्दगी की सबसे बड़ी लालसा पूरी कर गई। वह न बैकुण्ठ जाएगी तो क्या ये मोटे-मोटे लोग जाएँगे, जो गरीबों को दोनों हाथों से लूटते हैं और अपने पाप को धोने के लिए गंगा में नहाते हैं और मंदिरों में जल चढ़ाते हैं।"

अथवा

किसी जमाने में दार्शनिक लोग परमात्मा के अस्तित्व के बारे में बहस किया करते थे। अब वह बहस गेहूँ को लेकर होने लगी है। दार्शनिकों का एक वर्ग इसमें इस मत

http://www.mjpruonline.com

http://www.mjpruonline.com

का है कि देश में गेहूँ काफी मात्रा में मौजूद है, पर व्यापारियों की शरारत के कारण बाजार में नहीं आ पाता। दूसरा वर्ग इस मत का है कि गेहूँ नाम की कोई चीज होती ही नहीं है। बहस का यह दौर कुछ दिनों में शिवपालगंज में भी आ गया था और वहाँ गेहूँ के साथ लोग दूध-दही-घी आदि के बारे में भी नास्तिकता दिखाने लगे थे।

(ख) "वासना के कीड़े! तुम प्रेम क्या जानो ? तुम अपने लिए जीवित हो, ममत्त्व ही तुम्हारा केन्द्र है–तुम प्रेम करना क्या जानो ? प्रेम बलिदान है, आत्मत्याग ममत्त्व का विस्मरण है। तुम्हारी तपस्या और तुम्हारा ज्ञान–तुम्हारी साधना और तुम्हारी आराधना–यह सब भ्रम है, सत्य से कोसों दूर है। तुम अपनी तुष्टि के लिए ग्रहस्थ-आश्रम की बाधाओं से, कायरतापूर्वक संन्यासी का ढोंग लेकर विश्व को धोखा देते हुए, मुख मोड़ सकते हो–तुम अपनी वासना को तुष्ट करने के लिए मुझे धोखा दे सकते हो–और फिर भी तुम प्रेम की दुहाई देते हो।"

अथवा

"किया यह जाए कि सोता ही बन्द कर दो। न रहे बाँस न बजे बाँसुरी! लड़कों बच्चों का झंझट ही मिटा डालो। लड़के पैदा भी करना हो तो जितनी जरूरत है उतने पैदा करो। लड़कों की रोकथाम के लिए कई तरकीबें निकली हैं।"

http://www.mjpruonline.com

http://www.mjpruonline.com

http://www.mjpruonline.com

(ग) आसिन-कातिक के भोर में छा जाने वाले कुहासे से हिरामन को पुरानी चिढ़ है। बहुत बार वह सड़क भूलकर भटक चुका है। किन्तु आज के भोर के इस घने कुहासे में भी वह मगन है। नदी के किनारे धान-खेतों से फूले हुए धान के पौधों की पवनिया गंध आती है। पर्व-पावन के दिन गाँव में ऐसी ही सुगन्ध फैली रहती है। उसकी गाड़ी में फिर चंपा का फूल खिला है। उस फूल में एक परी बैठी है ..... जै भगवती।

अथवा

मगर कोठरी में बैठने की देर थी कि आँखों से छल-छल आँसू बहने लगे। दुपट्टे से बार-बार उन्हें पोंछती पर वे बार-बार उमड़ आते, जैसे बरसों का बाँध तोड़कर उमड़ आये हों। माँ ने बहुतेरा दिल को समझाया, हाथ जोड़े, भगवान का नाम लिया, बेटे के चिरायु होने की प्रार्थना की, बार-बार आँख बन्द कीं, मगर आँसू बरसात के पानी की तरह जैसे थमने में ही न आते थे।

(घ) फिर अठारह वर्ष की आयु में किया हुआ प्यार भी कोई प्यार होता है भला। निरा बचपन होता है, महज पागलपन। उसमें आवेश रहता है पर स्थायित्व नहीं, गति रहती है पर गहराई नहीं। जिस वेग से वह आरम्भ होता है, जरा-सा झटका लगने पर उसी वेग से टूट भी जाता है।

http://www.mjpruonline.com

अथवा

प्रेम एक मिथ्या कल्पना है। स्त्री और पुरुष का सम्बन्ध केवल संसार में ही होता है—संसार से पृथक् दोनों ही भिन्न-भिन्न आत्माएँ हैं। संसार में भी स्त्री और पुरुष में आत्मा का ऐक्य सम्भव नहीं है। प्रेम तो केवल आत्मा की घनिष्ठता है। वह घनिष्ठता के टूटने पर अपने जीवन को दुःखमय बना लेना कोई बुद्धिमत्ता नहीं है।

2. अधोलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए : प्रत्येक 7

(क) 'रागदरबारी' उपन्यास के शीर्षक एवं उद्देश्य पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(ख) 'चित्रलेखा' उपन्यास की नायिका का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ग) हिन्दी कहानी के उद्भव और विकास पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालिए।

(घ) 'गुण्डा' कहानी के आधार पर नन्हकू सिंह का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

मन्नू भण्डारी की कहानी 'यही सच है' का कहानी कला की दृष्टि से मूल्यांकन कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** के लघु उत्तर दीजिए :

(क) उपन्यास और कहानी में अन्तर स्पष्ट कीजिए। प्रत्येक 2

(ख) 'पच्चीस चौका डेढ़ सौ' का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

http://www.mjpruonline.com

http://www.mjpruonline.com

(ग) 'राजा निरबंसिया' की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

(घ) "बैद्यजी उपन्यास राग दरबारी के नायक हैं" विवेचना कीजिए।

(ङ) शामनाथ का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(च) 'चित्रलेखा' उपन्यास के परिप्रेक्ष्य में पाप और पुण्य की व्याख्या कीजिए। http://www.mjpruonline.com

अथवा

'चीफ की दावत' कहानी में माँ-बेटे के सम्बन्धों की विवेचना कीजिए।

(छ) 'तीसरी कसम उर्फ मारे गए गुलफाम' कहानी में देशकाल और वातावरण को स्पष्ट कीजिए।

4. सभी प्रश्नों के सही विकल्प छाँटकर लिखिए : प्रत्येक 1

(क) मृत्युंजय किस उपन्यास का पात्र है ?

(अ) कर्मभूमि (ब) मृगनयनी

(स) चित्रलेखा (द) मैला आँचल

(ख) प्रेमचन्द की प्रथम कहानी है :

(अ) कफन (ब) पंचपरमेश्वर

(स) पत्नी (द) बड़े भाई साहब

(ग) चित्रलेखा किस स्थान की नर्तकी थी ?

(अ) पाटलिपुत्र (ब) कौशाम्बी

(स) काशी (द) अंग

http://www.mjpruonline.com

http://www.mjpruonline.com

(घ) कौनसी रचना श्रीलाल शुक्ल की नहीं है ?

(अ) सूनी घाटी का सूरज

(ब) सीमाएँ टूटती हैं

(स) मुर्दाघर

(द) अंगद का पाँव

(ङ) 'पच्चीस चौका डेढ़ सौ' कहानी के लेखक कौन हैं ?

(अ) मोहन राकेश

(ब) ज्ञान रंजन

(स) ओमप्रकाश बाल्मीकि

(द) मन्नू भण्डारी

(च) रंगनाथ किस कृति के पात्र हैं ?

(अ) आदमी का जहर

(ब) पहला पड़ाव

(स) यहाँ से वहाँ

(द) राग दरबारी

(छ) 'राजा निरबंसिया' किस लेखक की कहानी है ?

(अ) प्रेमचन्द

(ब) जयशंकर प्रसाद

(स) कमलेश्वर

(द) मन्नू भण्डारी

http://www.mjpruonline.com

http://www.mjpruonline.com

(ज) 'रागदरबारी' उपन्यास का घटना-स्थल कौनसा है ?

(अ) सिरसागंज (ब) रोहितगंज

(स) शिवपालगंज (द) शीशगंज

(झ) 'रागदरबारी' में परिच्छेदों की संख्या है :

(अ) 35 (ब) 37

(स) 38 (द) 39

(ञ) साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित है :

(अ) मन्नू भण्डारी

(ब) मोहन राकेश

(स) श्री लालशुक्ल

(द) ओमप्रकाश बाल्मीकि

http://www.mjpruonline.com

http://www.mjpruonline.com

http://www.mjpruonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

http://www.mjpruonline.com